विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी ,वर्ग-दशम, विषय-हिन्दी 🌷🌷

दिनांक- २५/७/२०.

|| अभ्यास-सामग्री ||

बच्चों, सत्र के शुरुआती कक्षा में ही आपको वाक्य पढ़ाया गया । बीच -बीच में आपको वाक्य से संबंधित प्रश्नावली भी दी गई ताकि आप अभ्यास रत रहें । लेकिन आप अभ्यास रत रहे या नहीं ये आपसे बेहतर कोई नहीं बता सकता । हमेशा आप कमियाँ टटोलने के फिराक में रहते हो ।क्या आपने -कभी ये गौर किया है कि जितना आपको मिल रहा है ,उसे आप ले रहे हो या नहीं ? खैर ,आप खुद समझदार हो ।

आज की कक्षा में हम वाक्य की संक्षिप्त पुनरावृत्ति करेंगे I. आप पूर्व में दिए गए p.d. को भी पढ़ेंगे ।

आज वाक्य के घटक: (components of sentence)

वाक्य के दो घटक होते हैं – उद्देश्य और विधेय ।

- **वाक्य में जिसके बारे में बात की जाती है उसे उद्देश्य कहते हैं ।**
  जैसे – मोहन बीमार है -इस वाक्य में मोहन के बारे में बात हो रही है । अत: मोहन ही खदेड़ा है ।
  किसी -किसी वाक्य में उद्देश्य विस्तृत होता है ,वह अकेला नहीं रहता है ,तब उसे उद्देश्य विस्तार कहा जाता है ।

उद्देश्य विस्तार के अंतर्गत कर्ता ,- विशेषण , संबंधबोधक इत्यादि आ जाते हैं । जैसे –

परिश्रम व्यक्ति सफल होता है । इस वाक्य में व्यक्ति उद्देश्य है और परिश्रमी जो कि एक -विशेषण है वह उद्देश्य -विस्तार के अंतर्गत आता है । या यूँ समझा जाय कि कर्ता उद्देश्य और उससे पहले प्रयुक्त शब्द उद्देश्य-विस्तार कहलाता है ।।

मुझे लगता है कि आप इस p.d.f को पढ़कर जरूर समझेंगे ।

अब कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं ,जिसमें उद्देश्य और उद्देश्य विस्तार को पहचान कर लिखना होगा ।

- तेजस्वी चाणक्य मंत्री बनने में सफल रहा ।
- वीर हनुमान ने लंका में आग लगा दी ।
- मोहन का लड़का बाजार गया है ।
- दयालु महात्मा का आगमन होने वाला है ।
- प्रतिभाशाली एवं सहृदयी होने के कारण अब्दुल कलाम हर व्यक्ति के हृदय में राज करेंगे ।

शेष कल ...